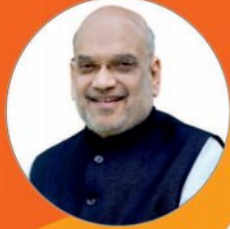


दैनिक खबरों की दुनिया

संस्करण
टोक, जयपुर और
मुरैना (मध्य प्रदेश)



मोदी साथे
राजस्थान

नेता, नीति, नीयत सही, तो नतीजे भी सही...

राजस्थान के डबल इंजन सरकार के कार्य

सड़क नेटवर्क का विस्तार

- जनता की सुगम राह के लिए 1000 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- 2 हजार करोड़ रुपए की लागत से 1 हजार किलोमीटर स्टेट हाइवे का सुदृढीकरण

गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत

- उज्ज्वला एवं अन्य गरीब परिवारों (बीपीएल) की महिलाओं को मात्र 450 रुपए में हर माह मिलेगा एक रसोई गैस सिलेंडर
- प्रदेश में पेट्रोल व डीजल की कीमतों को कम करने के लिए वैट में 2 प्रतिशत की कटौती

सबका होगा अच्छा स्वास्थ्य

- केंद्र सरकार द्वारा लागू आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं प्रदेश में संचालित स्वास्थ्य बीमा योजना को एकीकृत कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना लागू
- योजना के तहत अब कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में डे-केयर पैकेज की सुविधा

किसान कल्याण को समर्पित सरकार

- पीएम किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि बढ़कर 8 हजार रुपए
- गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपए पर 125 रुपए का अतिरिक्त बोनस

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण

- राज्य के समस्त पुलिस थानों में महिला डेस्क एवं प्रत्येक जिले में एंटी रोमियो स्वचाड का गठन
- प्रत्येक जिले में सीसीटीवी कैमरे स्थापित

प्रदेश में जल उपलब्धता का नया युग

- संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल (एकीकृत ईआरसीपी) परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर में लहलहाएंगी फसलें। प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी को मिलेगा पेयजल

शिक्षित राजस्थान-विकसित राजस्थान

- कक्षा 1 से 8वीं तक के समस्त विद्यार्थियों तथा कक्षा 9 से 12वीं तक की छात्राओं को स्कूल बैग, किताबें तथा यूनिफॉर्म के लिए प्रति विद्यार्थी 1 हजार रुपए की सहायता

युवाओं के लिए रोजगार

- युवाओं को रोजगार देने हेतु आगामी वर्ष में होंगी लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां
- दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवक-युवतियों को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण

अपराध की रोकथाम के लिए नए कदम

- 1046 हिस्ट्रीशीटर्स एवं हार्डकोर और इनामी अपराधियों सहित कुल 9 हजार 994 गिरफ्तार
- अराचर पर रोक के लिए राज्य में कार्यवाही हेतु सीबीआई को अनुमति की बाध्यता खत्म



ATUL



कमल का बटन दबाएं, भाजपा को जिताएं

मोदी की
गारंटी

अबकी बार 400 पार

मतदान : 26 अप्रैल 2024 - सुबह 7 बजे से सायं 6 बजे तक

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान द्वारा जारी

दैनिक

खबरों की दुनिया

संस्करण
टॉक, जयपुर और
मुरैना (मध्य प्रदेश)

Phone : 9414885972, 9829017239

KKDJPR@GMAIL.COM

www.khabronkiduniya.com

संपादकीय

खबरों की दुनिया

वायनाड में राहुल गांधी को हराने की पूरी तैयारी

रायबरेली से प्रियंका, अमेठी से राहुल गांधी को उतारने की तैयारी

गांधी परिवार की परम्परागत सीट रायबरेली है। जहां से सोनिया गांधी 5 बार चुनाव जीतती आई हैं। अब की बार वे राजस्थान से राज्यसभा का चुनाव जीतकर राज्यसभा में जा पहुंची हैं तथा शपथ भी ले ली है। गांधी परिवार की इस परम्परागत सीट पर गांधी परिवार अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं है वहीं यहां की जनता किसी दूसरे को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने इस सीट पर प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाने की पूरी तैयारी कर ली है। यह भी कहना गलत नहीं है कि प्रियंका गांधी ने अभी तक कोई चुनाव नहीं लड़ा है। यदि वे चुनाव लड़ीं तो यह उनका पहला चुनाव होगा। प्रियंका के पति राहुल गांधी का मन भी चुनाव लड़ने के लिये हिचकोले मार रहा है। लेकिन पहली प्राथमिकता कांग्रेस प्रियंका को देगी।



डॉ. एल. सी. भारतीय प्रकाश संपादक



भाजपा वरुण गांधी को उतारना चाहती है

जिस वरुण गांधी का टिकिट भाजपा ने पीलीभीत से काट कर किसी दूसरे को दे दिया था। पीलीभीत में तो मतदान भी हो चुका है। वरुण गांधी को चमचागिरी पसन्द नहीं है। उन्होंने नरेंद्र मोदी और भाजपा की कमजोरियों कभी खामियों की सार्वजनिक निंदा की। जिससे नाराज होकर उनका टिकिट पीलीभीत से काट दिया गया। भाजपा ने बड़ी चतुराई से वरुण गांधी को माँ मेनका गांधी को सुलतानपुर से टिकिट दे दिया जिससे वरुण गांधी बग़ावत नहीं कर सके। अब भाजपा वरुण गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाना चाहती है। लेकिन वरुण गांधी ने स्पष्ट मना कर दिया है कि वे अपनी बहन के खिलाफ किसी भी सूरत में चुनाव नहीं लड़ेंगे। ऐसी स्थिति में रायबरेली से प्रियंका गांधी यदि चुनाव लड़ती है तो जीत पक्की है। इसमें कोई दो राय नहीं है।

स्मृति ईरानी की एन्टी इनकंबेंसी का लाभ अमेठी में मिल सकता है

यद्यपि राहुल गांधी वायनाड से दूसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है लेकिन वायनाड से राहुल को हराने के लिए केरल के मुख्यमंत्री जो इण्डिया गठबन्धन में शामिल है हराने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा तो पहले से ही तैयार खड़ी है। इस प्रकार मुस्लिम-ईसाई बाहुल्य वायनाड में राहुल गांधी को कोई खतरा नहीं है फिर भी वे अमेठी से चुनाव लड़ने की सोच सकते हैं। यदि राहुल गांधी अमेठी से नहीं लड़ते हैं तो उनके बहनोई राहुल गांधी ताल ठोककर खड़े होंगे। लेकिन स्मृति ईरानी को हराने के लिये राहुल गांधी या उनके स्तर का कोई दूसरा है उसे उठाकर नाम वापस लेने के लिये बाध्य किया जा रहा है। गांधीनगर के बाद वाराणसी में भी ऐसा ही हो सकता है। जहां प्रधानमंत्री स्वयं चुनाव लड़ेंगे।

सूरत के बाद अहमदाबाद भी निर्विरोध होगा

आजकल भाजपा ने तीसरी पारी का चुनाव जीतने के लिये साम-दाम-दण्ड-भेद की नीति अपना ली है। वह अब अपने विरोधियों को डरा धमकाकर या लालच देकर रास्ते से हटा रही है। इसका पहला उदाहरण हमने सूरत में देखा जहां कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द तथा दूसरे निर्दलीयों को साम-दाम-दण्ड-भेद अर्थात धन का लालच देकर या डरा धमका कर बिठा दिया। यही करिष्मा भाजपा गांधीनगर में करने जा रही है। जहां से गृहमंत्री अमित शाह उम्मीदवार हैं वहां पर अमित शाह को निर्विरोध जीताने के लिये दूसरे प्रत्याशियों को हराने धमकाने का काम शुरू कर दिया। जिसका एक वीडियो दिन भर वायरल होता रहा। एक प्रत्याशी रा-रो कर कह रहा है कि उसकी जान का खतरा है उसे उठाकर नाम वापस लेने के लिये बाध्य किया जा रहा है। गांधीनगर के बाद वाराणसी में भी ऐसा ही हो सकता है। जहां प्रधानमंत्री स्वयं चुनाव लड़ेंगे।

फर्जी एनओसी मामले में हेल्थ डिपार्टमेंट की कार्रवाई

जयपुर के मणिपाल हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द

अब हॉस्पिटल में नहीं हो सकेंगे ऑर्गन ट्रांसप्लांट

खबरों की दुनिया

जयपुर। मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी के मामले में हेल्थ डिपार्टमेंट में कार्रवाई की है। जयपुर के मणिपाल हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द किया है। मणिपाल में भी मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए एनओसी प्राप्त करने में इस कार्रवाई की भूमिका सामने आई है। हॉस्पिटल द्वारा प्राप्त एनओसी भी संदेह के दायरे में है और एसीवी, पुलिस भी इस प्रकरण में जांच कर रही है। इसे देखते हुए मणिपाल हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन निलंबित किया है। आपको बता दें कि इस प्रकरण में हेल्थ डिपार्टमेंट ने पहले जयपुर के फोर्टिस हॉस्पिटल और ईएचसीसी हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द किया था।

निलंबित कर दिया। मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण की प्राथमिक अधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि फर्जी एनओसी जारी होने का प्रकरण सामने आने के बाद इस मामले में फोर्टिस हॉस्पिटल से कार्रवाई की गई। मणिपाल हॉस्पिटल में भी कार्यवाही शुरू की गई। आपको बता दें कि इस प्रकरण में हेल्थ डिपार्टमेंट ने पहले जयपुर के फोर्टिस हॉस्पिटल और ईएचसीसी हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द किया था।



एजेंसी

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ये मंत्र आपकी संपत्ति छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें।

कांग्रेस विरासत पर भी टैक्स लगाएगी वे आपकी संपत्ति लूटना चाहते हैं, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी: मोदी



भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी: पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि जब मैं विकसित भारत कहता हूँ तो कांग्रेस वालों का और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्ति शाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वो भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। ऐसी सरकार जो आपस में लड़ती रहे, घोटाले करती रहे कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लालच में देश को तबाह करने का रहा है।

महाराष्ट्र के यवतमाल में नितिन गडकरी चुनावी रैली में बेहोश हुए

अमित शाह बोले- कांग्रेस और लेफ्ट ने आतंकियों को पनाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के यवतमाल में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी चुनावी रैली के दौरान बेहोश हो गए। वे यहां एनडीए की शिवसेना प्रत्याशी राजश्री पाटिल के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करने आए थे। गडकरी बोल ही रहे थे कि अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गए। मंच पर मौजूद लोग उन्हें अस्पताल ले गए।



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए केरल

के अलापुझा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- कांग्रेस और कम्यूनिस्ट ने राज्य में आतंकियों को पनाह दे रखी है। माइनोरिटी के वोटबैंक के लालच ने इन्हें पीएफआई का समर्थन करने के लिए मजबूर कर दिया है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों का दुनिया से अस्तित्व खत्म हो रहा है।

दिया कुमारी और कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा नें सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में किया रोड शो विपक्ष के पास ना कोई एजेंडा है, ना ही कोई विजय है: दिया कुमारी

खबरों की दुनिया

सवाई माधोपुर। बुधवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। दिया कुमारी ने सवाई माधोपुर में टोक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुखबीर जौनापुरिया के समर्थन में रोड शो किया। दिया कुमारी का रोड शो बजरिया स्थित ट्रक यूनियन से रवाना हुआ शहर के प्रमुख गौंस से भाजपा चुनाव कार्यालय मातम आश्रम पहुंचकर सम्पन्न हुआ।

दिया कुमारी के रोड शो के दौरान कैबिनेट मंत्री एवं सवाई माधोपुर से भाजपा विधायक डॉ. किरोड़ी लाल मीणा कुछ देर रोड शो के आगे-आगे कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चले और आगे जाकर दिया कुमारी की कार में सवार हो गए। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया भी दिया कुमारी से साथ कार में सवार रहे। रोड शो के दौरान दिया कुमारी ने कहा, विपक्ष के पास ना कोई एजेंडा है, ना ही कोई विजय है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने राम को मानने से ही इनकार कर दिया था और अब जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया तो उन्होंने प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण भी दुकरा दिया। ऐसे में जिन्होंने सनातन का अपमान किया, उनको जनता कभी माफ नहीं करेगी।



लोग भाग भाग कर भाजपा में आ रहे हैं: डॉ. किरोड़ी

इस दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटाला के किरोड़ी के कांग्रेस में आने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पता नहीं डोटाला को कहां से सपना आ गया। कांग्रेस के लोग भाग भाग कर भाजपा में आ रहे हैं और वह कह रहे हैं कि मैं कांग्रेस में जाऊंगा। किरोड़ी ने कहा कि जब मैंने पहले में भाजपा को छोड़ा था, तब भी मैं कांग्रेस में नहीं गया था जबकि कांग्रेस ने मुझे बड़े बड़े लालच दिए थे। मैं विचारधारा का आदमी हूँ और अंत तक अपनी विचारधारा के साथ ही खड़ा रहूंगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पिछले दस सालों में किया गया काम, उनका सशक्त विजन और 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किये जा रहे हैं।

यह प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है कि भारत उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनगा।

मोदी के सशक्त नेतृत्व में होने वाले विकास का फायदा सभी को बराबर मिलेगा और उनकी जन कल्याणकारी योजनाएं सबका साथ,

सबका विकास, सबका विश्वास की तर्ज पर सभी नागरिकों तक पहुंच रही है।

अपनी अथक मेहनत से मोदी ने देश में हर व्यक्ति के मन में जाग बनाई है। इस बार हम सभी ने मिल कर चार सौ पार का लक्ष्य लिया है। मेरा पूरा विश्वास है कि राजस्थान पूरे पंचवीस कमलों की माला प्रधानमंत्री मोदी को भेंट करने जा रहे हैं और एक बड़े बहुमत के साथ सुखबीर सिंह जौनापुरिया भी संसद जा रहे हैं।

इलेवशन कमीशन ने पीएम मोदी की स्पीच के खिलाफ जांच शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेवशन कमीशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वांसवाड़ा में दिए गए बयान की जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान के वांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों में बांट देगी। साथ ही पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। पीएम के इस बयान के खिलाफ कांग्रेस और सीपीआई-एम ने चुनाव आयोग में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं।



थम गया दूसरे चरण के चुनाव का शोर, अब डोर टू डोर होगी मनुहार

खबरों की दुनिया

जयपुर। प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर होने वाले दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव के प्रचार का शोर थम गया। शाम 6 बजने के साथ ही जनसभा, लाउडस्पीकर प्रचार, रोड शो नहीं होंगे। अब प्रत्याशी सिर्फ दो टू डोर ही प्रचार कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन विभाग ने मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए जारी दिशा-निर्देश की पालना करनी होगी। प्रत्याशी किसी भी तरह के लाउडस्पीकर के साथ नहीं प्रचार नहीं

पहले मतदान-फिर जलपान' की अपील बीजेपी गरीब को गणेश मानकर करती है सेवा: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गरीब कल्याण, विकास, सीमा सुरक्षा तथा दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने के लिए काम करते हैं। उनके नेतृत्व में हमारी भारतीय जनता पार्टी गरीब को गणेश मानकर सेवा का कार्य करती है। भजनलाल शर्मा बुधवार को प्रतापगढ़ के धूमोतर में भाजपा प्रत्याशी सी. पी. जोशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलौत केवल घोषणाएं करते हैं और उन्हें भूल जाते हैं। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल में किसानों को कर्जमाफी, युवाओं को 3500 रुपये का बेरोजगारी भत्ते जैसी विभिन्न घोषणाएं की थीं, लेकिन इनमें से कुछ भी धरातल पर मूर्त रूप नहीं ले

सर्की। उन्होंने कहा कि हम घोषणा नहीं संकल्प करते हैं तथा संकल्प



पत्र में जनता से किए 45 प्रतिशत वादे अब तक पूरे कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, तृष्णिका की राजनीति और घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था।

सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, वांसवाड़ा-डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा-बूंदी और झालावाड़-बारां में 26 अप्रैल को मतदान होगा। गुप्त ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार, इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय से 48 घंटों की अवधि शाम 6 बजे से आरंभ हुई। मतदान समाप्ति अवधि 26 अप्रैल को शाम 6 बजे तक ये प्रभावी रहेगी।

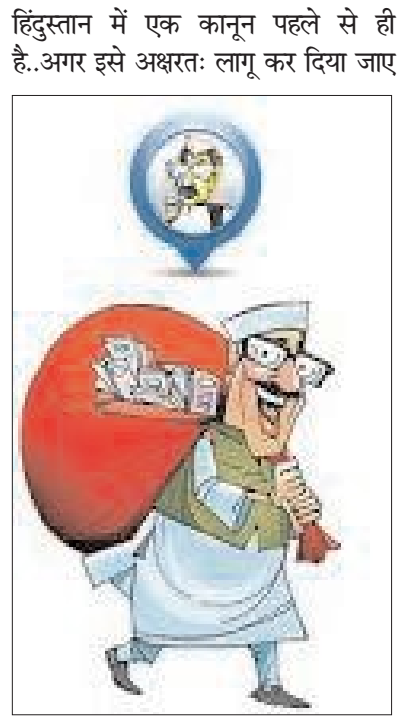


अशोक चतुर्वेदी
व्यंग्यकार

विरासत के विरोधी अब विरासत के पैरोकार, बढ़िया है!

सुना है अमेरिका में व्यक्ति के मरने के बाद उसकी संपत्ति का आधा हिस्सा सरकार के पास चला जाता है...बाकी के बच्चे हकदार होते हैं...सैम पित्रोदा ने एक टीवी चैनल पर बातचीत में विचार साझा किया तो हल्ला मचाओ जमात ने शब्द पकड़ लिए...अब शोर मचाए हैं...कहते हैं सामने वाले आए तो विरासत कर के नाम पर तुम्हारी संपत्ति हड़प लेंगे...कर भी बढ़ा देंगे...आईटी सेल के मुखिया तो ऐसे हल्ला मचाए हैं...मानो सारा सब कल ही होने वाला है...बच्चों से लेकर नाती-पोते तक की चिंता कर डाली है...बता दें ये वही लोग हैं जो सार्वजनिक सभाओं में परिवारवाद की खिलाफत करते हैं...और

दांव लगता है तो पीढ़ियों की चिंता सताती है...अगर परिवारवाद से नफरत है तो खुश होना चाहिए... विरासत कर से परिवारवाद कमजोर होगा...वैसे धार्मिक ग्रंथ गीता भी यही संदेश देती है...गीता में कहा गया है कि क्या साथ लाए थे...क्या साथ ले जाओगे...जो लिया है यहीं से लिया है...यहीं छोड़ कर जाना पड़ेगा...तो सनातनी को निश्चित हो जाना चाहिए...खुद से विरासत कर की पैरवी करनी चाहिए...हालांकि अभी यह विचार चर्चा में भी नहीं आया है...महज सैम पित्रोदा ने एक कार्यक्रम में इस पर बात की थी...इसी बात पर हंगामा हो गया है...दरअसल, कुछ लोगों को बात का बतगंड बनाने का हुनर हासिल है...ये सारे दिन इसी ताक में रहते हैं कि कोई मुद्दा हाथ लगे...सैम ने जैसे ही बात कही...इन्होंने लपक लिया...अब शोर मचाए हैं कि अगर ये सत्ता में आ गए तो ऐसा कर देंगे...वैसा कर देंगे... यानि ये एक तरह से मान रहे हैं कि ये सत्ता में नहीं आ रहे...वरना तो चार सौ पार का दावा करने वालों को ऐसी बातें शोभा नहीं देतीं...तो ये विरासत कर का डर दिखा रहे हैं...अलबत्ता



हिंदुस्तान में एक कानून पहले से ही है...अगर इसे अक्षरतः लागू कर दिया जाए तो आधी तो क्या पूरी संपत्ति ही परिवार के हाथ से जा सकती है...अर्थात् यहां मकान-दुकान-जमीन की लीज 99 साल के लिए होती है...सरकार चाहे तो 99 साल बाद

विरासत पर सवाल खड़ा करने वाले विरासत की पैरवी पर उतर आए हैं...सैम ने एक टीवी शो में जरा सा हवाला दिया...चार सौ पार का दावा करने वालों को कुनबे की चिंता सता रही है...दौलत की फिक्र हो रही है...आईटी सेल प्रमुख को तो पोते-पोतियों की चिंता सता रही है...यह अलग बात है कि यहां पहले से ही लीज कानून है...अगर इसे अक्षरतः लागू कर दिया जाए तो बड़े-बड़ों के नीचे से जमीन खिसक सकती है!

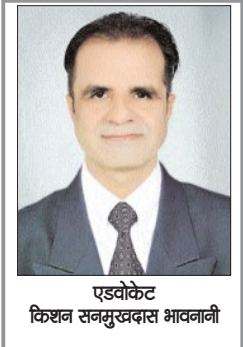
संपत्ति को ले सकती है...कुछ गलियां हो सकती हैं लेकिन जाहिर तौर पर हर मकान-दुकान-जमीन मालिक जानता है कि उसे 99 साल के लिए लीज के अधिकार मिले हैं...बावजूद इसके आज तक कोई ऐसा उदाहरण नहीं आया कि सरकार ने व्यवस्था का हवाला देते हुए जमीन छीनी हो...सार्वजनिक हित के

मद्देनजर अलग बात है... वरना तो पीढ़ियां गुजर गईं...मालिक बदलते आ रहे हैं...जब लीज से खबराहट नहीं तो फिर विरासत कर पर इतनी हायतौबा क्यों? लेकिन जमात का काम है हंगामा करना...तो ये हंगामा कर रहे हैं...इन्का काम है छवि खराब करना तो ये काम भी

बखूबी कर रहे हैं... चुनावी मौसम में अक्सर ऐसे मुद्दों को हवा दी जाती है...सामने वाले सविधान बदलने की तोहमत लगाए थे...तो अब ये विरासत कर को हवा दे रहे हैं...परिवारवाद का मखौल उड़ाने वालों को अचानक परिवारवाद की चिंता सता रही है... सच तो यह है कि हिंदुस्तान अमेरिका नहीं...यहां राम के नाम पर सैलाब आ जाता है...विरासत कर की चर्चा मात्र से ही जलजला आ जाएगा... सबसे पहले तो नेता-नांगल ही कुंसियां तोड़ेंगे...अथाह दौलत इनके ही तहखानों में भरी है...आम गरीब को इससे कोई फर्क नहीं पड़ना...ये तो दो पैसे बचाते थे...ज्यादा से ज्यादा वे बचाना कम कर देंगे...या बंद कर देंगे...कौनसी अरबों की संपत्ति है जिसके जाने का डर सताए...तो निश्चित रहें...ना विरासत कर लगेगा...ना हिंदुस्तान अमेरिका बनेगा...चुनाव हो जाने दीजिए...कोई इस पर बात भी नहीं करेगा...इस बात की गारंटी है!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विज़न 2047 की नींव हमारी बौद्धिक,शारीरिक प्रतिभाओं को विदेशों में पलायन से रोकने सख्त नियम बनाना जरूरी



एडिसेक्टर
किशन सहस्रबुध्दे भावनाजी



मेरा मानना है कि इसमें अनेक प्रतिभाएं ऐसी होंगी, जो हमारे विज़न 2047 की नींव का एक हिस्सा हो सकती थीं। चूंकि यूरोपीय संघ के 29 देशों के वीजा नियम बेहद आसान हुए हैं, जो खासकर भारतीयों के पक्ष में हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विज़न 2047 की नींव हमारी बौद्धिक शारीरिक प्रतिभाओं को विदेशों में पलायन से रोकने सख्त नियम बनाने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम यूरोपीय संघ द्वारा अपने वीजा नियमों में बदलाव से भारतीयों के लिए वीजा बेहद आसान होने की करें तो, यूरोपीय संघ ने भारतीय नागरिकों के लिए मौजूदा नियमों में कुछ बदलाव किए हैं। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्बर्ट डेल्टन ने नई वीजा व्यवस्था को दोनो पक्षों के बीच लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक और कदम बताया है। वीजा मानदंडों में यह बदलाव यूरोपीय संघ और भारत के बीच मजबूत संबंधों को देखते हुए लिया गया है। वीजा जारी करने पर विशिष्ट नियम अपनाए यूरोपीय संघ ने कहा, 18 अप्रैल को यूरोपीय आयोग ने भारतीय नागरिकों को मल्टीपल एंट्री वीजा जारी करने पर विशिष्ट नियम अपनाए हैं।

यह 90 दिनों के लिए जारी किया गया एक शॉर्ट स्ट्रेटिजी कम्प्लैक्स वाला वीजा होता है और इससे किसी को भी यूरोपीय देशों में यात्रा करने की अनुमति मिल जाती है। पहले भारत के लोगों को तीन साल में दो बार वीजा लेना पड़ता था, लेकिन हाल ही में लागू हुए नियमों के मुताबिक भारतीयों को मल्टीपल एंट्री शॉर्ट स्ट्रेटिजी वीजा मिलेगा, इससे वीजा पर आने वाला खर्च कम होगा। नए नियमों के मुताबिक, भारत के नागरिक अब लॉन्ग-टर्म, मल्टी एंट्री शॉर्ट स्ट्रेटिजी वीजा के लिए एलिजिबल होंगे और वह लंबी वैलिडिटी के साथ दो साल के वीजा के लिए, आपके पास पहले तीन साल में कानूनन हासिल किए गए दो वीजा होने चाहिए, इसके

बाद, अगर हमको पासपोर्ट में सही वैलिडिटी बाकी है तो हमको पांच-साल का वीजा मिल सकता है। इन वीजा की वैधता अवधि के दौरान, धारकों को वीजा-फ्री नागरिकों के बराबर ट्रेवल के अधिकार दिए जाते हैं, इसका मतलब यह है कि वे अलग-अलग वीजा की जरूरत के बिना शॉर्ट स्ट्रेटिजी में कई बार आ-जा सकते हैं। इस व्यवस्था को लागू करने का उद्देश्य यूरोपीय संघ और भारत के बीच माइग्रेशन पॉलिसी पर व्यापक सहयोग को बढ़ावा देना है। शॉर्ट स्ट्रेटिजी वीजा धारक को शॉर्ट स्ट्रेटिजी में स्वतंत्र रूप से यात्रा करने की अनुमति देता है, जिसमें 29 यूरोपीय देश शामिल हैं, जिनमें 25 यूरोपीय संघ के सदस्य देश और चार गैर-ईयू देश (आइसलैंड, लिक्टेन्स्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड) शामिल हैं। ये वीजा किसी भी 180-दिन की अवधि के भीतर 90 दिनों तक के शॉर्ट स्ट्रेटिजी में कई बार आ-जा सकते हैं। साथ ही, विकासशील देशों में जीवन की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि इन लोगों को विकसित देशों में बेहतर शिक्षा सुविधाएं, स्वास्थ्य सेवाएं आदि मिल सकती हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए देश छोड़ने वाले कई छात्रकर्मियों देश में वापस नहीं आते क्योंकि उन्हें ज्यादातर विकसित देशों में अच्छी नौकरियां मिल जाती हैं। विकासशील देशों में ज्यादातर उच्च अनुसंधान और विकास के लिए सुविधाओं का अभाव है और इसके कारण अत्यधिक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक देश छोड़कर चले जाते हैं। गुरु या माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, जैसे नाबेल पुरस्कार विजेता, ब्रेन ड्रेन के कारण हमारे देश को होने वाले नुकसान के उदाहरण हैं, जो अगर देश में काम कर रहे होते और सेवा कर रहे होते तो देश के विकास में बहुत योगदान दे सकते थे। वास्तव में, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत से सबसे अधिक मस्तिष्क लाभ प्राप्त करने वाला देश रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए सबसे अधिक प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को पहचान करना और इन लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचे और सेवाओं का प्रावधान करना होगा। सरकार को स्कूली पाठ्यक्रम में इसे शामिल करके अपनी मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता की भावना पैदा करके बच्चों के युवा मन में राष्ट्र की सेवा करने का विचार पैदा करना चाहिए,

जिससे उन्हें युवा होने पर राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका का एहसास हो सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रतिभा पलायन की समस्या का समाधान देश की जनता और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम वित्त वर्ष 2022 में भारतीयों के अमेरिका पलायन यात्रा के आंकड़ों के बारे में करें तो वर्ष 2022 में कम से कम 65,960 भारतीय आधिकारिक तौर पर अमेरिकी नागरिक बन गए और इसी के साथ जिन देशों के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली है, उनकी संख्या के मामले में भारत मैक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गया। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अमेरिकी सामुदायिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में विदेशी मूल के अनुमानित चार करोड़ 60 लाख लोग अमेरिका में रहे जो अमेरिकी कुल 33 करोड़ 33 लाख आबादी का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। स्वतंत्र कांग्रेसल अनुसंधान सेवा (सीआरएस) की वित्त वर्ष 2022 के लिए यूएस नेचुरलाइजेशन पॉलिसी (अमेरिकी नागरिकता नीति) पर 15 अप्रैल को नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 में 9,69,380 व्यक्ति अमेरिकी नागरिक बने। रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिकी नागरिकता पाने वाले लोगों में मैक्सिको में पैदा हुए लोगों की संख्या सबसे अधिक रही। इसके बाद भारत, फिलीपीन, क्यूबा और डोमिनिकन गणराज्य के लोगों को सर्वाधिक संख्या में अमेरिकी नागरिकता मिली। सीआरएस ने बताया कि 2022 में मैक्सिको के 1,28,878 नागरिक अमेरिकी नागरिक बने। उनके बाद भारत (65,960), फिलीपीन (53,413), क्यूबा (46,913), डोमिनिकन गणराज्य (34,525), वियतनाम (33,246) और चीन (27,038) के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली। उसने बताया कि 2023 तक विदेशी मूल के अमेरिकी नागरिकों में भारत के लोगों की संख्या 2,831,330 थी जो मैक्सिको के (10,638,429) के बाद दूसरी सर्वाधिक संख्या है। इसके बाद इस सूची में चीन (2,225,447) का नंबर है। सीआरएस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी में रहने वाले भारत के जन्मे लगभग 42 प्रतिशत विदेशी नागरिक वर्तमान में अमेरिकी नागरिक बनने के लिए अयोग्य हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत से विदेशों में बौद्धिक शारीरिक प्रतिभा पलायन को रोकने से रेखांकित करना समय की मांग। भारतीयों के लिए अब यूरोपीय संघ के 29 देशों के वीजा नियम बेहद आसान हुए। विज़न 2047 की नींव हमारी बौद्धिक शारीरिक प्रतिभाओं को विदेशों में पलायन से रोकने सख्त नियम बनाना जरूरी है।

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि प्रगति पहाड़ झरना नदिया जंगल बुक और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है। और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच, स्पृहा, कामना, कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भाव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है। परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई मूल के हर पहलू से ओझट हो रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे। आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गईं वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है। व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मिय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है। समाज में सच्चर शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मिय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मियता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाते में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैतिकता से लोभी, आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनेकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कर्तव्य शोभ संकेत नहीं है।

इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मिय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक प्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मिय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निस्कोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असाामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनेकता की बारीक लकीरों को पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाते से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप में उपयोग करने लगा है जिससे समाज में विस्मयिता पैदा होकर आत्मिय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर स्वालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मिय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मियता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाते में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैतिकता से लोभी, आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनेकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कर्तव्य शोभ संकेत नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

खबरों की दुनिया

एक नजर

पायलट का किया अकबर खान ने स्वागत



खबरों की दुनिया
टोक। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के टोक आने पर रेल लाओ संघर्ष समितिके अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अकबर खान ने 51 किलो की

माला, आतिशबाजी, झेल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर रामकिशन, खुशींद खान, रतन जाट, जगदीश पालीवाल, शिशराम चौधरी, रतीराम चौधरी, शोचन्द मीणा, शाहसुक, आशीष, मोनाक्षी, गीता, सोनाक्षी, सुनिता एवं मोहिनी आदि मौजूद थे।

प्रेरणा ग्रुप की महिलाओं ने ओवरजॉय टीम को डीपफ्रीजर किया प्रायोजित



खबरों की दुनिया
टोक। ओवरजॉय टीम शायदियों समारोह में बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचाती है, लेकिन इस भीषण गर्मी में खाना बहुत तेजी से खराब होने लग जाता है, इसी समस्या को देखते हुए प्रेरणा ग्रुप की महिलाओं ने मिलकर ओवरजॉय टीम को एक डीप फ्रीजर प्रायोजित किया। प्रेरणा ग्रुप की अध्यक्ष रेखा जाजू ने बताया कि शायदी समारोह में बचने वाला खाना जरूरतमंद तक पहुंचाने की बात भले ही सुनने में और कहने में अच्छी लगती है, लेकिन यह करने के लिए समय निकाल पाना हर किसी के बस की बात नहीं होती है, लेकिन टोक शहर ने यह काम कर दिखाया है, इन युवाओं की टीम ने जो अपना पड़वाई, नेकी एवं व्यवसाय के साथ साथ निस्वार्थ भाव से निरंतर कार्य कर रहे हैं। टीम अब तक शायदी समारोह में भोजन को एकत्रित करके 50 हजार से भी ज्यादा लोगों तक निःशुल्क भोजन पहुंचा चुकी है।

है। टीम का मुख्य उद्देश्य है कि खाने की बर्बादी को रोकना, शायदी समारोह में अक्सर देखा जाता है कि आखिरी में काफी भोजन बच जाता है और जिसको फेंक दिया जाता है, इसी चीज को देखते हुए टीम कार्य करती है कि उस भोजन का सदुपयोग हो सके और किसी जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी मदद कर सके। टीम शायदी से लिया गया भोजन को टीम द्वारा बनाए गए फूड सेंटर पर वितरित करती है, अब तक टीम ने 10 फूड सेंटर बना चुकी है, जहाँ एक समय पर 700 से भी अधिक लोगों तक भोजन वितरित किया जा सकता है। इस अवसर पर अकांशा जैन, सिमता शर्मा, सोनिया राजावत, सुधा लोढ़ा, सुरशीला लोढ़ा, पूनम गर्ग, रेखा जैन, लक्ष्मी विजय, अरुणा सोनी, अल्पना सोनी, मोनिका जैन, रायना रजक, अल्पना जौनवाल, भावना जैन, श्वेता सिंघल, हेमा शर्मा, हेमलता तोषणीवाल, अंशु सोनी, हर्षित मित्तल, चीनू पारीक आदि सदस्य उपस्थित थे।

मतदाताओं का वोट लोकतंत्र के निर्माण में निर्णायक साबित होगा : राहुल सैनी

- सतरंगी सप्ताह के तहत लाल रंग की थीम आधारित मतदान वृक्ष एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित

खबरों की दुनिया

टोक। लोकसभा चुनाव-2024 के मध्य नजर मतदान दिवस 26 अप्रैल को जिले में अधिकाधिक मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सतरंगी सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। सतरंगी सप्ताह के सातवें दिन लाल रंग की थीम एवं लालच पर होगी चोट, सोच समझकर कर करेंगे वोट के नारे के साथ टोक शहर के चतुर्भुज तालाब पर सेंट एनस्लेम स्कूल के छत्र-छात्रों ने मधुर स्वर में बैड वादन किया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों समेत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने रंगोली, दीपदान एवं मतदान वृक्ष पर संकल्प पाती बांधकर लोगों को 26 अप्रैल को अधिकाधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) टोक राहुल सैनी ने मतदान वृक्ष एवं दीपदान कार्यक्रम में उपस्थित



अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाताओं को अपने मताधिकार उपयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिया गया वोट आपके सुनहरे भविष्य एवं लोकतंत्र के निर्माण में निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय में आने वाले लोगों को पीले चावल, सी-विजिल, संकल्प



एमता नागर, नायब तहसीलदार निर्भय शर्मा, उपखंड अधिकारी के निजी सहायक मनजीत वर्मा, जनसंपर्क कर्मी रिजवान अनीस, सीडीपीओ संगीता दीपक, किरण मीणा, महिला पर्यवेक्षक शमुप्ता खान, सीवीईओ सीताराम गुप्ता, निपुण सक्सेना, नरेंद्र शर्मा, गोपाल शर्मा, रघु शर्मा, ताराचंद शर्मा, पवन शर्मा, स्काउट गाइड के सीओ गिरिराज गर्ग एवं आंगनबाड़ी

दुकानदार ने सोने की चेन लौटा कर दिया इमानदारी का परिचय



खबरों की दुनिया
नाप लेते वक्त उसकी 80000 कीमत की सोने की चेन दुकान में गिर गई। जिसका पता उसको भी नहीं था। मंगलवार को सुबह दुकान खोलकर सफाई करने के दौरान चेन मिल गई। तो गोपाल कुमावत ने बुधवार की सुबह ग्राहक को वापस लौटा दी।

निवाई में नकली घी बना कर के पैकिंग करने का मामला



खबरों की दुनिया
टोक। आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाए जाने के लिए विशेष अभियान 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' के तहत टोक जिले के निवाई उपखंड में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बुधवार को कार्यवाही की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार यादव ने बताया कि बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों सत्यनारायण गुर्जर व सुरेश कुमार शर्मा ने जिले के निवाई उपखंड में अशोक कुमार चौधरी इन्चार्ज टोक जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड टोक मय पुलिस जाबा के मुखबीर की सूचना के मुताबिक हेमन्त नेभाणी निवासी सिन्धी कॉलोनी गली नं 4 झिल्लाई रोड निवाई के पक्के मकान में दूसरी मंजिल में नकली देशी घी कृष्णा एगमार्क स्पेशल ग्रेड

सिलेण्डर एक नग, गैस मट्टी एक नग, पैकिंग मशीन 2 नग, खाली टिन 6 नग, बटर एसेस की खाली बोतल 4 नग, एल्यूमिनियम डिब्बा एक नग इत्यादि सामान पाये गये एवं तैयार घी कृष्णा ब्राण्ड 1 कार्टून में 1 लीटर पैक में पाया गया जिसका एफएसएसए एक्ट के अन्तर्गत नमूना लेकर जांच के लिए मिजवाया जाएगा। सीएमएचओ डॉ यादव ने बताया कि तैयार घी व पैकिंग सामग्री जिसमें एगमार्क ब्राण्ड कृष्णा घी, सरस घी, लौटस घी की नकली पैकिंग एवं कॉपीराइट, ट्रेडमार्क का उल्लंघन किया है। घी में एसेस व अन्य अखाद्य पदार्थ मिलाकर नकली व मिलावटी घी तैयार कर मानव जीवन को संकट में डालने का कार्य किया है। आरोपी के विरुद्ध नकली घी, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क की धारण व मानव जीवन को संकट में डालने के लिये विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

सेक्टर मजिस्ट्रेट ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण



खबरों की दुनिया
बनेठा। निर्वाचन विभाग द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को बनेठा एवं ककोड़ सेक्टर मजिस्ट्रेट ने मतदान केन्द्रों का जायजा लेकर मतदान केन्द्रों पर छाया पानी बिजली आदि भौतिक संसाधन उपलब्ध कराने को लेकर ग्राम विकास अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बनेठा सेक्टर अधिकारी मुरारी लाल मीणा ने बताया कि बुधवार सुबह बनेठा, सुरेली, रुपपुरा एवं गुरुदिया गांवों में स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा मतदान केन्द्रों पर चुनाव के दौरान मतदाताओं के लिए छाया, पानी, बिजली सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु बूथ

लेवल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब है कि बुधवार शाम 5 बजे से लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों द्वारा प्रचार प्रसार निर्वाचन विभाग की गाइडलाइन के अनुसार बंद कर दिया गया है। आज शाम तक मतदान करवाने

हेतु मतदान केन्द्रों पर पोलिंग पार्टियों पहुंच जाएगी। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पोलिंग पार्टियों का गठन कर दिया गया है। ककोड़ सेक्टर मजिस्ट्रेट संजय महावर ने बताया कि ककोड़ सेक्टर के अधीन आने वाले सभी मतदान केन्द्रों का उन्होंने निरीक्षण कर लिया

अवैध बजरी भरा हुआ ट्रैलर जप्त



खबरों की दुनिया
टोक। जिले की बरौनी पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रैलर को जप्त करने की कार्यवाही की है। बरौनी थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि बुधवार को पहड़ी कट के पास अवैध बजरी से भरा हुआ एक ट्रैलर आता हुआ मिला ट्रक चालक से बजरी को लेकर रखा की जानकारी ली तो सन्तुष्ट बने जवाब नहीं दे सका। ट्रैलर को जप्त कर चालक मुकेश पुत्र गोपाल जाति जाट उम 35 वर्ष निवासी गोपालपुरा थाना मेहदवास को सुरक्षार्थ थाना परिसर में खड़ा करवाकर एमएमआरडीएक्ट में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

लोकसभा चुनाव की सभी तैयारियां पूर्ण, मतदान दलों की रवानगी आज



खबरों की दुनिया
टोक। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए 26 अप्रैल को होने वाले मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदान दलों को दिवे जाने वाले तृतीय प्रशिक्षण एवं मतदान केन्द्रों पर रवानगी को लेकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आज प्रातः 6:30 बजे से विधानसभा क्षेत्र देवली-जिनियारा एवं मालपुरा के मतदान दलों को तृतीय प्रशिक्षण के उपरान्त राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोक से मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया जाएगा। तत्पश्चात प्रातः 10 बजे

विधानसभा क्षेत्र निवाई एवं टोक के मतदान दल गंतव्य स्थल के लिए रवाना होंगे। तृतीय प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम व अन्य आवश्यक मतदान से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त मतदान दलों के कार्मिकों के लिए पर्याप्त चिकित्सा एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है। 26 अप्रैल को 1134 पोलिंग बूथों पर मतदान करने के लिए 5256 मतदान कर्मियों को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्र

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने दीप जलाकर मतदान करने के लिए किया जागरूक



खबरों की दुनिया
बनेठा। उपतहसील मुख्यालय पर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं साथियों ने मुख्य चौराहे पर रंगोली सजाकर तथा दीप जलाकर लोकसभा चुनाव में 26 अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान करने की शपथ ली गई। इस दौरान मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बनेठा ग्राम पंचायत

क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं साथियों द्वारा बस स्टैंड के सामने चौराहे पर रंगोली सजाकर दीपजलाती की तरह अनेक दीप जलाकर मतदान करने की शपथ दिलाई गई। स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत कस्बे में कई चौराहे पर रंगोलियां सजाई गईं। लोकसभा चुनावों को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम रोजाना

एरिया व सेक्टर मजिस्ट्रेट रखेंगे निगरानी

जिले में लोकसभा चुनाव-2024 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न करने के लिए 52 माइक्रो अंजबवर, 114 सेक्टर मजिस्ट्रेट व 12 एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। वेबकास्टिंग 567 पोलिंग बूथों पर की जाएगी। जिले के चिन्हित 291 संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीएपीएफ की टीम के साथ-साथ पर्याप्त पुलिस जाते की व्यवस्था भी की गई है। मतदान दलों के प्रशिक्षण के पश्चात परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लिए बसों, मिनी बसों एवं अन्य वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

